एल्युमिनाई एसोसिएशन की दिनांक 12.12.2009 को आहूत तीसरी सामान्य वार्षिक बैठक तथा एल्युमिनाई मीट–2009 की कार्यवृत्त।

स्थान– कैलाश भवन, च0शे0आ0कृषि एवं प्रौ0वि0वि0, कानपुर

बैठक का शुभारम्भ मुख्य अतिथि डा0बसन्त राम, कुलपति, नरेन्द्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, फैजाबाद द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इसके बाद गृह विज्ञान संकाय की छात्राओं द्वारा राष्ट्रीय गीत प्रस्तुत किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि डा0बसन्त राम कुलपति, नरेन्द्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, फैजाबाद, विशिष्ट अतिथि डा0एस0पी0तिवारी पूर्व उप महानिदेशक, (शिक्षा), भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली, डा0जी0सी0तिवारी, संरक्षक, एल्युमिनाई एसोसिएशन एवं कुलपति, च0शे0आ0कृषि एवं प्रौ0वि0वि0, कानपुर तथा एल्युमिनाई एसोसिएशन के अध्यक्ष डा0एस0के0सिंह को पुष्प गुच्छ देकर उनका स्वागत किया गया। इसके बाद एसोसिएशन के अध्यक्ष डा0 एस0के0सिंह ने मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथि, संरक्षक एवं कुलपति महोदय सहित सभी पूर्व छात्रों, विश्वविद्यालय के पदाधिकारियों, शिक्षकों, छात्र एवं छात्राओं एवं प्रेस मीडिया से आये प्रतिनिधियों सहित उपस्थित सभी लोगों को एसोसिएशन की तरफ से स्वागत किया गया। अपने स्वागत भाषण में अध्यक्ष महोदय ने सर्वप्रथम नई कार्यकारिणी परिषद को चुनने के लिए सभी सदस्यों को धन्यवाद दिया और कहा कि इस एसोसिएशन को और विस्तारित करके इसके माध्यम से विश्वविद्यालय, शिक्षकों, कर्मचारियों, एवं उनके परिवार, छात्र एवं छात्राओं के लाभ सहित सामाजिक कार्यो में भी अपनी भूमिका का निर्वाहन करने का प्रयास किया जायेगा। उन्होंने कहा स्थिर होती छोटी खेती की उत्पादकता को बढ़ाने हेतु एक जुट होकर प्रयास करने की आवश्यकता है। स्वागत के पश्चात एसोसिएशन के महासचिव डा0 वेद रत्न ने अपने प्रस्तुतीकरण में कनाडा में कार्यरत डा0वाई0पी0कालरा, डा0अरविन्द कुमार एवं एसोसिएशन के पूर्व सम्मानित सदस्य चौधरी समर पाल सिंह द्वारा इस अवसर पर भेजे गये उनके शुभ कामना सन्देश से सभी को अवगत कराया तथा एसोसिएशन की स्थापना के सम्बन्ध में बताया कि जुलाई 10, 2007 को इसका पंजीकरण हुआ। महासचिव ने बताया कि एसोसिएशन के नियमानुसार चौधरी समर पाल सिंह एवं डा0पी0एन0 बाजपेई को क्रमशः 2007 एवं 2008 में एसोसिएशन का सम्मानित सदस्य मनोनीत किया जा चुका है। उन्होंने यह भी अवगत कराया कि विधिवत चुनाव के पश्चात दूसरी कार्यकारणी परिषद का गठन दिनांक 05.9.2009 को पूरा हो गया है एवं वर्तमान में कुल सदस्यों की संख्या–260 है।

इसके बाद विशिष्ट अतिथि डा0एस0पी0तिवारी ने अपने सम्बोधन में कहा कि कृषि शिक्षा की गुणवत्ता को सुधारने हेतु प्रदेश के तीनों कृषि विश्वविद्यालयों को आर्थिक सहायता की बड़ी आवश्यकता है। इसके लिए सरकार मण्डी टैक्स लगाकर उसका कुछ हिस्सा कृषि विश्वविद्यालयों को भी दे तो कृषि विश्वविद्यालयों में समग्र विकास होगा, क्योंकि कृषि शिक्षा में गुणवत्ता, लागत एवं उत्तमता तीनों के समावेश के साथ ही ग्रामीण जनता के विकास हेतु भी उच्च कृषि शिक्षा की आवश्यकता है।

मुख्य अतिथि डा0बसन्त राम ने अपने सम्बोधन में कहा कि पहले यहॉ के शिक्षकों मे योग्यता एवं छात्रों के प्रति बहुत ही अपनापन था। इस अवसर पर मुख्य अतिथि अपने दिवंगत गुरू डा0एच0के0सक्सेना एवं डा0आर0के0ग्रोवर को याद करते हुए भावुक हो उठे। उन्होंने कहा कि इस संस्था के पूर्व छात्रों ने अपने व्यक्तित्व एवं कृतित्व से देश एवं विदेशों में भी इसका नाम ऊँचा किया है परन्तु वर्तमान में इस विश्वविद्यालय के साथ ही प्रदेश के अन्य दो कृषि विश्वविद्यालयों की आर्थिक स्थिति ठीक न होने से कृषि शिक्षा, शोध एवं प्रसार तीनों प्रमुख अंग प्रभावित हो रहे हैं। मुख्य अतिथि ने गुजरात प्रान्त का उदाहरण देते हुए कहा कि वहॉ की सरकार द्वारा कृषि विश्वविद्यालय को पूर्ण सहयोग देने से भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा भी उसी के सापेक्ष सहायता मिल रही है। जिससे वहॉ की विकास दर भी 53 प्रतिशत है। अतः संयुक्त राज्य अमेरिका की तरह ही लैण्ड ग्राण्ड पैटर्न पर प्रदेश सरकार द्वारा भी कृषि विश्वविद्यालयों की मदद करनी चाहिए।

मुख्य अतिथि के पश्चात विश्वविद्यालय के कुलपति एवं एल्युमिनाई एसोसिएशन के संरक्षक डा0जी0सी0तिवारी ने आम सभा को सम्बोधित करते हुए पूर्व छात्रों का आह्वान किया कि वे मात्र मूक दर्शक न बनें बल्कि विश्वविद्यालय के चौमुखी विकास में अपना योगदान दें। कुलपति महोदय ने आश्वस्त् किया कि वे कुलपति के रूप में इसके शैक्षिक एवं आर्थिक सुधार हेतु सतत् प्रयास करते रहेंगे।

इसके बाद आम सभा के एजेन्डा बिन्दुओं को महासचिव डा0 वेद रत्न द्वारा बिन्दुवार प्रस्तुत किया गया। विन्दुओं पर विचार विमर्श करने के बाद इस अवसर पर पधारे एसोसिएशन के सभी सदस्यों द्वारा सर्व सम्मति से निम्नवत् निर्णय लिये गये :

एजेण्डा नं0–1 : दिनांक 24.1.2009 को सम्पन्न दूसरी आम बैठक में लिए गये निर्णयों की पुष्टि।

कृत कार्यवाही पर आम सभा द्वारा सन्तोष व्यक्त करते हुए सर्वसम्मति से पुष्टि की गई।

एजेण्डा नं0–2 : एल्युमिनाई एसोसिएशन की कार्यकारणी परिषद द्वारा डा0आर0पी0 सिंह को कार्यकारणी परिषद का सम्मानित सदस्य मनोनीत किये जाने का प्रस्ताव।

सभी सदस्यों द्वारा करतल ध्वनि से प्रस्ताव का सहर्ष अनुमोदन किया गया एवं कैप्टन एस0 सी0 त्रिपाठी तथा डा0 मुनीश गंगवार द्वारा डा0आर0पी0सिंह (पूर्व कुलपति महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, उदयपुर) को ससम्मान् लाकर मंचासीन कराया गया। इसके बाद इस अवसर पर एल्युमिनाई एसोसिएशन द्वारा प्रकाशित **स्मारिका–कृषि परिवार** का मुख्य अतिथि द्वारा, तथा विशिष्ट अतिथि डा0एस0पी0तिवारी द्वारा Building Capacity for Student Centered Learning Report का विमोचन किया गया। इस अवसर पर एसोसिएशन के अध्यक्ष डा0 एस0के0सिंह द्वारा मुख्य अतिथि डा0बसन्तराम को, विशिष्ट अतिथि डा0एस0पी0तिवारी को कुलपति डा0जी0सी0तिवारी द्वारा तथा सम्मानित सदस्य डा0आर0पी0सिंह को एसोसिएशन के उपाध्यक्ष डा0 एस0सी0त्रिपाठी द्वारा एसोसिएशन की तरफ से शाल एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर डा0 आर0पी0सिंह ने एल्युमिनाई एसोसिएशन के कार्यकारिणी परिषिद तथा एसोसिएशन के सभी सदस्यों के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया तथा उन्होंने कहा कि इस सम्मान से एसोसिएशन तथा विश्वविद्यालय के प्रति मेरा उत्तरदायित्व और भी बढ़ गया है, जिसे पूरा करने में मेरी तरफ से कोई कमी नहीं रहेगी।

एजेण्डा नं0–3: एल्युमिनाई एसोसिएशन की आजीवन सदस्यता शुल्क से प्राप्त धनराशि को सावधि जमा योजना में जमा किये जाने का प्रस्ताव ।

प्रस्ताव पर सभी सदस्यों द्वारा स्वीकृति प्रदान की गयी एवं यह भी स्वीकृति प्रदान की गयी कि विशेष परिस्थिति में कुल सावधि जमा धनराशि का अधिकतम 25 प्रतिशत धनराशि का उपयोग एसोसिएशन के क्रिया कलाप में व्यय किया जा सकता है। यह स्वीकृति वर्ष 2010 से प्रभावी मानी जायेगी।

एजेण्डा नं0–4: प्रत्येक वर्ष एक पूर्व छात्र को लाइफ टाइम एचीवमेन्ट एवार्ड दिये जाने का प्रस्ताव।

प्रस्ताव सर्व सम्मति से स्वीकार किया गया तथा इस सम्बन्ध में कार्यकारणी परिषद द्वारा गठित समिति के अध्यक्ष डा0एस0सी0त्रिपाठी द्वारा तैयार की गयी नियमावली पर विचारोपरान्त निम्नानुसार पुनः एक समिति गठित की गयी जो लाइफ टाइम एचीवमेन्ट एवार्ड के लिए नियमावली बनाकर कार्यकारणी परिषद को प्रस्तुत करेगी।

1. डा0आर0पी0सिंह, सम्मानित सदस्य	–	अध्यक्ष
2. डा0के0डी0उपाध्याय	–	सदस्य
3. डा0मुकेश मोहन	–	सदस्य
4. डा0पी0एन0कटियार	–	सदस्य
5. डा0 वेद रत्न	–	सदस्य सचिव

उपरोक्त कमेटी द्वारा प्रस्तुत नियमावली पर कार्यकारणी परिषद विचारोपरान्त सहमति की दशा में अगले वर्ष ए0जी0एम0 में प्रस्तुत करेगी।

एजेण्डा नं0–5: छात्रों को एल्युमिनाई एसोसिएशन की सदस्यता शुल्क में छूट दिये जाने का प्रस्ताव।

उक्त प्रस्ताव सर्व सम्मति से अनानुमोदित किया गया।

एजेण्डा नं0–6 एसोसियेशन के दिन प्रतिदिन के कार्यो को सम्पादित कराने हेतु महासचिव एवं कोषाध्यक्ष को एक बार में रू0 2500/– (रू0दो हजार पॉच सौ) तक व्यय करने का अधिकार दिये जाने का प्रस्ताव।

प्रस्ताव सभी सदस्यों द्वारा सर्व सम्मति से अनुमोदित किया गया।

General Secretary
Alumni Association
CSAUA&T, Kanpur

एजेण्डा नं0–7 वर्ष 2010 से एसोसिएशन द्वारा एक शोध पत्रिका (**Journal**) के प्रकाशन का प्रस्ताव।

प्रस्ताव सर्व सम्मति से अनुमोदित किया गया तथा यह भी निर्णय लिया गया कि विश्वविद्यालय द्वारा पूर्व में प्रकाशित (**Journal**) (**Farm Science Journal**) का ही पुनः प्रकाशन आरम्भ किया जाय तथा **Journal** का **Annual Conference** एवं एल्यूमिनाई एसोसिएशन का ए0जी0एम0 एक साथ ही किया जाय।

एजेण्डा नं0–8 अध्यक्ष महोदय की अनुमति से डा0विजय कुमार यादव, कोषाध्यक्ष एल्युमिनाई एसोसिएशन द्वारा वार्षिक सदस्यता शुल्क को रू0 200/– से बढ़ाकर रू0 500/– किये जाने का प्रस्ताव।

प्रस्ताव सर्व सम्मति से अनुमोदित किया गया।

The Recommendations of group discussion on "Quality Concerns for Agriculture Education"

1. Chairman	Dr.S.P.Tiwari, Ex DDG (Edn.), ICAR, New Delhi.
2. Co-chairman	Dr.Basant Ram, V.C., NDUA&T, Faizabad
3. Panelist	Dr .G.C.Tiwari, V.C., CSAUA&T, Kanpur
4. Key speaker	Dr.R.P.Singh, Honorary Member
5. Rapporteurs	1. Dr.K.D.Upadhyaya, Ex-Dean, COA, CSAUA&T, Kanpur 2. Dr. Ram Krishna, Prof. & Head, Deptt. of GPB, CSAUA&T, Kanpur

The technical session continued in two parts : Pre-and Post-lunch. Twelve speakers presented their views in the session. From various presentations, it was realized that :-

1. Students are not confident in dealing with a situation based on the changes.
2. There is a need two gradually change the attitude of the students by training them in real world situation of agriculture.
3. Such drastic changes should occur not only among the student but also among the teachers and education managers.
4. We are producing science qualified man power but not the scientific man power because scientific man power implies knowledge, skills and scientific attitude.
5. There is a need to develop long term strategy to modify the educational system to compete in the highly talented competitive man power group at International level.
6. Teachers should act as a facilitator in learning process.

To over come/solve above problems, following are the recommendations:

(i) There should be more practical oriented education

(ii) There should be initial training of the teachers.

(iii) Continued process of enhancing faculty competence should be adopted

(iv) Reform should be brought about in teaching and learning process.

(v) Reform should be brought about in the agricultural course also.

(vi) There is a need to establish an institution for imparting the training on dynamic education managment like NAARM.

(vii) Lectures should be blended with system of informal and intelligent discussions.

(viii) There should be advance preparation of students and teachers to make the learning process more effective.

(ix) ICAR prescribed syllabus should also be adopted in mushroomed colleges affiliated to traditional/private universities.

(x) Among the teachers and taughts localism and inbreeding should be avoided.

As and immediate measures, the system of quizes should be re-stored and attandence required should be adhered upon. The practical examination and thisis, viva-voce examination should also be conducted by the external examiner.

बैठक महासचिव द्वारा सभी के प्रति हार्दिक धन्यवाद् देने के साथ समाप्त हुयी।

Approved

General Secretary
Alumni Association
CSAUA&T, Kanpur

President
Alumni Association
CSAU&T, Kanpur